

आज के जगरता ने, रंगमणि का बिखरा है ॥२॥ रंगमणि
मेरी मेरी गाते जाते, अब हो गया सबेरा है ॥२॥ अब हो गया

① मेरी करुणा पुकार सुनके, मेरी दौड़ी चली आई ॥२॥ मेरी दौड़ी
याद नौखों को जो किया - नौ बहिनों को साथ है लाई ॥२॥ नौ बहिनों
मेरे मुँह के, सुनाओ मर्तो - रात भर का बेसरा है ॥२॥ रात भर का
आज के - - - - - मेरी मेरी

② मेरी अखियों में नीर देखे मेरी शैलपुत्री जी आई ॥२॥ मेरी शैलपुत्री
नीर भर भर जब बहने लगे मेरी ब्रह्मचारिणी जी आई ॥२॥ मेरी ब्रह्मचारिणी
भाग जगे हैं, मर्तो के स्वर से मेरा कोटेरा है ॥२॥ स्वर से
आज के - - - - - मेरी मेरी

③ गूँज शहनाई की जो सुनी मेरा चन्द्रघटा जी आई ॥२॥ मेरा चन्द्रघटा
स्वर सितार के ये से बजे मेरा कुष्माण्ड जी आई ॥२॥ मेरा कुष्माण्ड जी
मेरी ममता की, लहरों ने मेरे दिल को हिलोरा है ॥२॥ मेरे दिल
आज के - - - - - मेरी मेरी

④ ज्योत दिल में जगाई मेने श्री स्कन्द माता आई ॥२॥ श्री स्कन्द माता
आर्ति भावों को देखा मेने श्री कात्यायनी माता आई ॥२॥ श्री कात्यायनी माता
तुमने नव जीवन, मुझ को दिया सदास मेरे तेरा है ॥२॥ सदास
आज के - - - - - मेरी मेरी

⑤ भय ने जब जब मुझे घेरा माता कालश्री जी आई ॥२॥ माता कालश्री
मुझ को राह दिखाने की माता महागौरी जी आई ॥२॥ माता महागौरी जी
मेरी निदोष, लीला देखी ऊँचा भाग ये मेरा है ॥२॥ ऊँचा भाग
आज के - - - - - मेरी मेरी

(६) सबको शीश मुँ काया में नै ^{ssss} माता सिद्धात्री जी आई ^{ssss} माता सिद्धात्री
रोज " श्री बाबा श्री " नै में या ^{ssss} दिल से में टें गई ^{ssss} दिल से -----
मैं छोड़ के, न जाना मुँ ^{ssss} तेरे चरणों में डेर है ^{ssss} तेरे चरणों -----
आज के ----- मैं की में टें -----